मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 53 अंक 6 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
जून 2017 बहाई वर्ष : 174

विश्व न्याय मन्दिर

निष्ठावानों के समुदाय द्वारा निभाए जाने वाले अनिवार्य दायित्व विश्व में व्याप्त भ्रांति, अविश्वास और अनिश्चितता के वातावरण में अब और अत्यावश्यक हो गए हैं। वास्तव में, मित्रों को चाहिए कि वे एक ऐसा प्रदीप जलाने के लिए हर अवसर का प्रयोग करें जो मार्ग को प्रकाशित कर सके और जिससे चिन्तातुर लोगों को आश्वासन, निराशजनों को आशा प्राप्त हो सके। –रिज़वान 2017

राष्ट्रीय अधिवेशन का संदेश

प्रेषक : भारत का राष्ट्रीय बहाई अधिवेशन

सेवा में : विश्व न्याय मंदिर

परम प्रिय विश्व न्याय मंदिर

बहाउल्लाह के प्रति प्रार्थनामय विचार और हृदय से निकली कृतज्ञता के साथ भारतीय बहाई समुदाय का वार्षिक अधिवेशन रिज़वान के 9वें दिन, 28 अप्रैल को आरम्भ हुआ। 63 प्रतिनिधि और 70 पर्यवेक्षक इस अधिवेशन में उपस्थित हुये, जिनमें 4 सहायक मंडल सदस्य भी शामिल थे। एशिया के महाद्वीपीय सलाहकार मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुये सलाहकार ओमिद सिओशानसियान ने कार्यवाहियों का संचालन किया जो अधिवेशन पूर्व दृढ़ीकरण सत्र से प्रारम्भ हुआ। बहाई चुनावों की पवित्रता और पावनता विषय पर 25 मार्च 2007 और 16 मई 2013 के संदेश के अंशों के पाठ के साथ दृढ़ीकरण सत्र आरम्भ हुआ। अधिवेशन के औपचारिक उद्घाटन के साथ, बहिर्गामी राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष के स्वागत–भाषण के तुरंत बाद, रिज़वान – 2017 संदेश का अध्ययन किया गया। इसके बाद अधिवेशन के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। विस्तृत चर्चा के लिये पहला विषय था बहाउल्लाह के जन्म का द्वि–शताब्दी समारोह। 18 मई 2016 के संदेश के मद्देनज़र मित्रों ने अपने–अपने राज्यों और समुदायसमूहों में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन पहले से ही शुरू कर दिया है। यह इस निर्देश को ध्यान में रखते हुये किया गया कि अधिक–से–अधिक लोगों के पास बहाउल्लाह के संदेश के साथ जाया जा सके। सलाहकार ने प्रतिनिधियों को इसके महत्व को समझने में मदद की। इसमें रिज़वान 2017 के संदेश के दूसरे अनुच्छेद की मदद उन्होंने ली। प्रतिनिधियों द्वारा एक प्रस्ताव जो पारित किया गया वह था राज्य/क्षेत्रीय बहाई परिषदों से आग्रह करना कि वे अपने–अपने राज्यों के गणमान्य व्यक्तियों, जैसे राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के संदेश प्राप्त करें जैसे राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा ने राष्ट्रीय स्तर पर किया है। मित्रों को यह जानकर प्रसन्नता हुई कि एक राष्ट्रीय कार्यबल का गठन किया गया है जो इस तरह के प्रयासों को प्रोत्साहित करेगा और देश की राज्य/क्षेत्रीय बहाई परिषदों को सूचना देता रहेगा।

प्रतिनिधियों के परामर्श के मुख्य विषय थे – समुदायसमूहों का विकास; वार्षिक प्रतिवेदन के माध्यम से सचिव और कोषाध्यक्ष द्वारा दी गई सूचनायें, हुकूकुल्लाह : बहाउल्लाह का एक शक्तिसम्पन्न विधान; प्रशिक्षण संस्थान – उच्चतर स्तर की ओर। इन विषयों के संदर्भ में निम्नांकित सुझाव अधिवेशन की ओर से राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को भेजे जाने के लिये पारित किये गये है :



राष्ट्रीय अधिवेशन के प्रतिनिधिगण सलाहकार महोदय के साथ

(1) मानव संसाधन विकास और समुदाय–निर्माण की प्रक्रिया को 300+समुदायसमूहों में मजबूत करना, ताकि बड़ी संख्या में, कम–से–कम 40 की संख्या में द्वि–शताब्दी समारोह के मनाये जाने तक गहनता के उच्चतर स्तर को प्राप्त कर लें। (2) 216 समुदायसमूहों में सामुदायिक जीवन के प्रतिमान को और मजबूत बनाना। इन समुदायसमूहों ने मील का दूसरा पत्थर पार कर लिया

शेष पृष्ठ 4 पर

इस अंक में

देशभर में मनाया रिज़वान का उत्सव

• राजस्थान में जयपुर में बापू नगर स्थित बहाई हाउस में स्थानीय आध्यात्मिक सभा की ओर से रिज़वान पर्व के नौवें और बाहरवें दिन को बड़े धुमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अलग–अलग भाषाओं में की गई प्रार्थनाओं से हुई। श्रीमती अपर्णा अनन्त ने इस पर्व के बारे में बहुत ही महत्वपूर्ण घटनाओं और उसके इतिहास के बारे में बताया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में राबिया खातून, आशा कुमावत, एवं भावना मीणा ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। उसी के साथ बनवारी टाटावत ने मंत्रमुग्ध कर देने वाला गीत प्रस्तुत किया एवं हनुमान ग्रुप ने बहुत ही शानदार नाटक की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन बनवारी चंदवाडा द्वारा किया गया।



जयपुर के मित्रगण रिज़वान उत्सव का आनंद लेते हुए

• महाराष्ट्र में नासिक स्थित देवलाली में पर्वराज रिज़वान उत्सव बहुत ही आनंद से 20 अप्रैल को मनाया गया। पिछले साल की तुलना में इस साल ज्यादा मित्रों ने उत्सव का आनंद उठाया और उसके महत्व को समझा।

इस साल एक योजना के तहत देवलाली में रिज़वान उत्सव के लिए गृहभ्रमण हुए। देवलाली में अभी 43 बहाई मित्र हैं जो हर बहाई उत्सव और बहाई निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेते हैं और बहाउल्लाह के नियमों से भी परिचित हैं। इस बार इन सभी

शेष पृष्ठ 2 पर



देवलाली में आयोजित समारोह के प्रतिभागी

राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के पदाधिकारी

भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के निम्नलिखित मित्रों को वर्तमान प्रशासनिक वर्ष 2017–2018 के लिए पदाधिकारी के रूप में चुना गया है।

1. श्री एल. रशीद – अध्यक्ष
2. सुश्री नाज़नीन रौहानी – सचिव
3. डॉ. नेसान ओल्याई – कोषाध्यक्ष
4. श्रीमती ज़ीना सोराबजी – उपाध्यक्षा



देशभर में मनाया रिज़वान का उत्सव

पृष्ठ 1 का शेष

मित्रों को चिन्हित करते हुए देवलाली के अनौपचारिक दल ने योजना बनाई जिसका विषय था बहाउल्लाह का मानवजाति के लिए त्याग, उनका संकट भरा जीवन और आध्यात्मिक सभा का चुनाव। चार दलों में देवलाली



पंचगणी में आयोजित कार्यक्रम के मित्रगण

की चार जगहों में गृहभ्रमण के लिए गए उन्होंने बहाउल्लाह का जीवन सामग्री अपने साथ ली। पहले ही दिन मित्रों ने 14 घरों में जाकर मित्रों से बहाउल्लाह के जीवन के बारे में बताया।

कार्यक्रम के दौरान युवाकिशोरों द्वारा प्रार्थनाओं का आयोजन हुआ और उसके बाद बहाई बच्चों की कक्षा के बच्चों द्वारा बहाई गीत प्रस्तुत किये गए। युवाकिशोरों ने कुछ नाटिकाओं



चेन्नई में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए श्री एल. रशीद

का प्रस्तुतिकरण किया और एक मित्र द्वारा बहाउल्लाह के जीवन चरित्र का पूर्ण रूप से प्रस्तुतिकरण करने की कोशिश की और मित्रों ने बड़े भावुक होकर इस कठोर जीवनचरित्र को



कांचीपुरम में आयोजित समारोह में भाग लेने वाले प्रतिभागी

सुना। उत्साह की बात यह थी कि देवलाली में जिन महिलाओं ने बहाउल्लाह पर अपना विश्वास दिखाया था वे सभी महिलायें अपने पतियों को भी इस उत्सव में लेकर आईं। लगभग 69 मित्रों ने इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता दर्ज की।

• पंचगणी के बहाई भवन में स्थानीय आध्यात्मिक सभा पंचगणी के तत्वावधान में रिज़वान पर्व के पहले, नौवों और बारहवें दिवस के कार्यक्रम बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाये गये। कार्यक्रमों की शुरूआत प्रार्थनाओं के साथ हुई। उपस्थित मित्रों को दिन विशेष के महत्व के बारे में बताया गया। रिज़वान पर्व पर एक बहुत ही सुन्दर वीडियो दिखाया गया। नौवें दिन प्रार्थनाओं में येमेनी के 25 बहाईयों को याद किया गया जिन्हें हाल ही में गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा ईरान के बहाईयों को स्मरण किया गया। बारहवें दिन के कार्यक्रम में मराठी और अंग्रेजी में रिज़वान के बारे में बताया गया। मित्रों ने कई गीत गये और सहकारी खेल भी खेले।

• तमिलनाडु और पुदुचेरी के अनेक क्षेत्रों में भी मित्रगणों ने बहुत ही उत्साहमय वातावरण में पर्वराज रिज़वान का उत्सव मनाया। चेन्नई, कांचीपुरम और वेल्लूर के मित्रों में खास उल्लास देखने को मिला। इस अवसर पर मित्रों ने विश्व न्याय मन्दिर से प्राप्त रिज़वान संदेश 2017 का अध्ययन किया और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

श्रीरंगपट्टन में परिवार सम्मेलन

कर्नाटक की राज्य बहाई परिषद् ने श्रीरंगपट्टन में तीन दिनों का एक परिवार सम्मेलन आयोजित किया, जो 5 मई को प्रार्थनाओं के साथ आरम्भ हुआ। सम्मेलन का विषय था "एक जीवंत समुदाय के निर्माण की ओर" सम्मेलन में लगभग 150 मित्र अपने परिवार के साथ उपस्थित हुये, जिनमें 20 ऐसे लोग भी थे, जिन्हें बहाई धर्म में अभिरूचि और बहाईयों के साथ कुछ दिन व्यतीत कर प्रभुधर्म के विषय



परिवार सम्मेलन में प्रार्थनायें प्रस्तुत करते हुए

में अधिक जानकारी लेने की प्रबल इच्छा थी।

सम्मेलन के पहले दिन डा. राधा और डा. चेतन पारिख ने बहाई परिवार की एक झलक अत्यन्त नाटकीय अंदाज़ में प्रस्तुत की, जिससे एक जीवंत समुदाय में परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका परिभाषित हुई। फिर प्रतिभागियों को सात ग्रुप में विभाजित कर पारिवारिक जीवन के महत्व, परिवार में सदस्यों की भूमिका, परामर्श का महत्व, परिवार और समुदाय के सदस्यों के बीच परस्पर प्रेम तथा एकता की आवश्यकता जैसे विषयों पर चर्चा की गई और लम्बी चर्चा के बाद प्रत्येक ग्रुप से एक प्रतिनिधि ने चर्चा के परिणाम बतलाये। पूरे कार्यक्रम के लिये विभिन्न विषयों पर पाठ्य सामग्रियां उपलब्ध करायी गयी थीं, जिनसे उनके ग्रुप को अपने विषय की सीमा के अंदर परामर्श का मौका मिला।

दूसरे सत्र में रिज़वान संदेश 2017 के मुख्य बिन्दुओं पर परिषद के सचिव दिनेश राव ने प्रकाश डाला और कहा कि व्यक्तिगत स्तर से लेकर सामुदायिक स्तर तक सीखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का प्रोत्साहन इस संदेश से मिलता है। प्रत्येक अनुच्छेद का सारांश और उसके अन्तर्निहित अर्थ से दिनेश राव ने प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रत्येक अनुच्छेद से प्राप्त अन्तर्दृष्टि को भी उन्होंने स्पष्ट किया। बहाउल्लाह की जन्मशती की दो सौवी वर्षगांठ के सिलसिले में व्यक्तिगत स्तर पर प्रभुधर्म का संदेश देने की आवश्यकता पर बल देते हुये दिनेश राव ने कहा कि समाज की वर्तमान अवस्था को देखते हुये बहाउल्लाह के आरोग्यदायी संदेश को शीघ्रताशीघ्र लोगों तक पहुँचाना बहुत ज़रूरी है।

शाम के समय बच्चों और युवाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। प्रस्तुति के दौरान युवा बहाईयों की प्रतिभा उभर कर सामने आई।

शेष पृष्ठ 4 पर

बहाई विश्व केन्द्र में तीर्थयात्रा सम्बन्धी मार्गनिर्देश

बहाई विश्व केन्द्र के हाल के एक पत्र से लिये गये पवित्र भूमि में तीर्थयात्रा सम्बन्धी मार्ग निर्देश आप तक पहुँचाते हुये हमें प्रसन्नता हो रही है :

''परम पावन पुस्तक में वर्णित दिव्य आदेशों में तीर्थयात्रा एक है। एक तीर्थयात्री को सम्बोधित करते हुए अब्दुल बहा लिखते हैं : "ईश्वर को धन्यवाद दो कि तुम आशीर्वादित स्थल पर आये हो, पवित्र समाधि के द्वार पर मत्था टेका है और उस पवित्र स्थान की तीर्थयात्रा की है जिसके गिर्द आध्यात्मिक जगत के अंतरंग मित्र श्रद्धापूर्वक परिक्रमा करते हैं।" प्रिय धर्मसंरक्षक द्वारा और उनकी ओर से दिये गये वक्तव्य यह संकेत देते हैं कि पवित्र समाधियों की तीर्थयात्रा वह माध्यम बन सकती है जिसके सहारे व्यक्ति "उस रहस्मय प्रेम की अनुभूति कर सकता है जो प्रत्येक सच्चे धर्म का मूल है", व्यक्ति को प्रभुधर्म के उद्देश्य और महत्व की स्पष्ट दृष्टि प्राप्त करने में समर्थ बना सकती है; और मित्रों को बड़े–से–बड़े सेवा के कार्य और त्याग के लिये अनुप्राणित और प्रोत्साहित कर सकती है।"

पिछले अनेक सालों की लम्बी प्रतीक्षा–सूची को समाप्त कर दिया गया है और अब आवेदन प्राप्त करने के कुछ ही दिन बाद तीर्थयात्रा पर आने वाले लोगों को विभिन्न तारीखों की लिस्ट के साथ अनुमति प्रदान कर दी जाती है। दूसरी बार तीर्थयात्रा पर आने के लिए पाँच साल के अंतराल के बाद आवेदन करना होता था, अब उस अवधि को घटा कर तीन साल कर दिया गया है और ऐसी व्यवस्था की गई है कि बड़ी संख्या में परिवार और मित्रों के साथ तीर्थयात्रा पर आना आसान हो सके। अब परिवार के वैसे लोगों और मित्रों के लिये भी अनुमति का आग्रह किया जा सकता है, जिन्होंने बहाई समुदाय की सदस्यता नहीं ली है।''

राष्ट्रीय बहाई कार्यालय में सेवा के अवसर

प्रिय मित्रगण,

राष्ट्रीय बहाई केन्द्र में वैसे मित्रों की सेवा की ज़रूरत है जिनके पास सम्बद्ध प्रशिक्षण और अनुभव हो :

संयोजक – कार्मिक प्रभाग

- स्टाफ की भर्ती
- कर्मचारी – कल्याण
- कार्यालय – अनुशासन, दैनिक उपस्थिति और छुट्टी आदि का लेखा–जोखा रखना।
- मानव संसाधन विकास, कर्मचारियों कौशल में वृद्धि के दायित्व के साथ
- स्टाफ पॉलिसी फाइल का रख–रखाव
- कर्मचारियों के व्यक्तिगत ब्यौरे को रखना
- आगन्तुकों की देख–भाल, वीसा, तीर्थयात्रियों तथा अन्य लोगों के टिकट आदि की व्यवस्था
- आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्रीय सभा के सदस्यों की यात्रा की व्यवस्था

लेखा – नियंत्रक (कॉम्पट्रोलर)

- राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के बजट का निरीक्षण, जिसमें राज्य/क्षेत्रीय बहाई परिषदों, अन्य कार्यालयों और एजेंसियों के बजट भी शामिल हैं।
- राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के सभी कार्यालयों प्रभागों और एजेंसियों और राज्य परिषदों के बजट को मॉनीटर करना।
- सलाह देना और राष्ट्रीय सभा के विभिन्न कार्यों के लिये एक मानव संसाधन के रूप में काम करना।
- आन्तरिक और बाहरी लेख–परीक्षण की प्रक्रिया की देखभाल करना।
- वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करना।
- वित्तीय प्रतिबद्धता की समीक्षा करना।

कोष प्रभाग में खज़ानची

- प्रतिदिन भुगतान और रसीद की प्रक्रिया को बनाये रखना।
- सभी भुगतान और प्राप्त धनराशि का दैनिक मेल–मिलाप विवरण।
- मासिक और त्रैमासिक रिपोर्ट पेश करना।
- सम्बन्धित पत्राचार करना।
- टी.डी.एस. रिपोर्ट (त्रैमासिक और वार्षिक) तैयार करना।
- कोषाध्यक्ष द्वारा समय–समय पर दिये गये आदेश का पालन करना।

सूचना प्राद्योगिकी

- कम्प्यूटर हार्डवेयर लगाना और उसकी देख–रेख करना, साथ में, सॉफ्टवेयर और नेटवर्किंग के काम की ज़िम्मेदारी भी।
- संस्था के कंप्यूटर को तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- एम.एस. आउटलुक 2007/2010/2013 को लगाना और देख–भाल करना नियमित रूप से बैकअप लेना।
- डोमेन सर्वर फाइल सर्वर, शेयर प्वायंट, टैली, ई.आर.पी. और डी.एम. एस. का रख–रखाव
- विन्डोज़ आदि की व्यवस्था करना
- डाटाबेस तैयार करना और उसका रख–रखाव
- हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर के रख–रखाव के लिये तकनीकी सहायता प्रदान करना।

इन रिक्त पदों के निम्नांकित योग्यतायें अपेक्षित हैं :

- आवेदक को हिन्दी और अंग्रेजी में सम्वाद करने की क्षमता हो।
- आवेदक को कंप्यूटर का प्रारम्भिक ज्ञान हो।
- आवेदक को सीखने की इच्छा हो।
- सेवा के उस क्षेत्र में, जिसके लिये आवेदन किया जाये, आवेदक को अनुभव प्राप्त हो।
- विंडोज सर्वर 2008 आर2/2012 आर 2, विंडोज 7/विंडो 8.1/ विंडोज 10, विंडोज शेयरपॉइंट 3.0, मैकफी एंडपॉइंट, साइबर रोम फायरवॉल, सिस्को स्विचेस और राउटर एल3, एमएस एसक्यूएल, एमएस ऑफिस 2010–2013, सीपेनल/डब्ल्यूएचएम (लिनक्स) , डॉट नेट, एचटीएमएल, पीएचपी, जूमला। (आईटी के लिए केवल)
- टैली सॉफ्टवेयर का ज्ञान आवेदक को हो (कोष प्रभाग के लिए केवल)

उपर्युक्त पदों के लिये दो सप्ताह के भीतर आवेदन करें। जो मित्र आवेदन करना चाहते हैं वे personnel@ibnc.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की एक प्रति nsaindia@ibnc.in पर भी भेजें।

बहाई विवाह



स्थानीय आध्यात्मिक सभा जयपुर के तत्वावधान में सांगानेर निवासी सुश्री रवीना का विवाह जयपुर निवासी श्री संजय के साथ 9 मई 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ। सुश्री रवीना बच्चों की शिक्षिका के रूप में सेवा दे रही हैं। इस अवसर पर परिजनों के अलावा अनेक बहाई मित्रगण भी उपस्थित रहे।



सुश्री सीमा रेसवाल का विवाह जयपुर निवासी श्री गौरी शंकर के साथ 9 मई 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा जयपुर के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। गौरतलब है कि सुश्री सीमा को अनुप्रेरक के रूप में सेवा देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर परिजनों के अलावा अनेक बहाई मित्रगण भी उपस्थित रहे।



कल्याण, महाराष्ट्र के श्री सनी गौर और सुश्री सोनी का विवाह 7 मई 2017 को बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा कल्याण के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। वधू पक्ष के बहाई न होने के कारण हिन्दू रीति से भी विवाह हुआ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 — Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
New Delhi P.S.O. — Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2015-16-17

राष्ट्रीय अधिवेशन का संदेश

पृष्ठ 1 का शेष

है और अपनी पहुँच गाँव और शहर के जनसमुदाय तक बनाने के लिये प्रयत्नशील हैं। (3) यह भी सुझाव दिया गया कि वे समुदायसमूह जो मील का दूसरा पत्थर पार कर चुके हैं उनमें यह प्रयत्न जारी रखा जाना चाहिये कि वे पहले 6 चक्र के पूरा होने तक मील के तीसरे पत्थर तक पहुँच सकें। (4) जहाँ तक प्रशिक्षण संस्थान का सम्बन्ध है इस बात पर सहमति बनी कि समुदाय के विभिन्न वर्गों के बीच आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने को प्रोत्साहित किया जाये। (5) हुकूकुल्लाह के विधान के सम्बन्ध में प्रतिनिधियों ने यह वचन दिया कि वे हुकूकुल्लाह के प्रतिनिधियों से सम्पर्क करेंगे और क्षेत्रीय बोर्ड की गतिविधियों को सहयोग प्रदान करेंगे। मूल गतिविधियों से सम्बन्धित कार्यनीति, सामाजिक कार्य और जन–सम्वाद में प्रतिभागिता पर भी परामर्श किया गया और प्रतिनिधियों द्वारा कुछ परीक्षित पहलों की चर्चा की गई।

प्रतिनिधियों ने बहाई मंदिर कोष के रख–रखाव के लिये निर्धारित राशि की कमी पर चिन्ता व्यक्त की और सुझाव दिये कि विभिन्न स्तरों पर इस सम्बन्ध में जानकारी देने का सिलसिला फिर शुरू किया जाना चाहिये। मंदिर–प्रांगण में शिक्षा केन्द्र के निर्माण में आई तेजी को सराहा गया, जिसके बाद इस बात पर चर्चा चली कि किस प्रकार इस परियोजना के 9 करोड़ के बजट की राशि एकत्र की जाये।

नये प्रशासनिक वर्ष के लिये राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के चुनाव के निम्नांकित परिणाम हैं : डा. ए. के. मर्चेंट, श्री एन. सी. भास्करन, सुश्री नाज़नीन रौहानी, श्री एल. रशीद, डॉ. मंगेश तेली, श्रीमती ज़ीना सोराबजी, श्री पी. के. प्रेमाराजन, डॉ. नेसान ओल्यिाई और डॉ. रामसेवक यादव।

जहाँ तक संस्थागत क्षमता को बढ़ाने का प्रश्न है, इस सम्बन्ध में स्थानीय आध्यात्मिक सभा की भूमिका पर ख़ास तौर से चर्चा की गई तथा क्षेत्रीय/राज्य बहाई परिषदों के निर्वाचित/मनोनीत सदस्यों की क्षमताओं की भी चर्चा हुई। प्रतिनिधियों को सूचित किया गया कि 29 दिसम्बर, 2015 के संदेश के अलावा विश्व न्याय मंदिर ने कुछ और मार्गदर्शन भेजे हैं ताकि स्थानीय सभाओं की क्षमता का और अधिक विकास किया जा सके और बहाई समुदाय के तृणमूल स्तर की दिव्य रूप से आदेशित संस्थायें और अधिक सक्रिय हो सकें और पाँच वर्षीय योजना के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। हालाँकि पिछले साल होम–फ्रंट पायनीयरों की संख्या बढ़ी है, फिर भी उपस्थित मित्रों ने यह महसूस किया कि ऐसे क्षमतावान व्यक्तियों की अभी और भी बहुत बड़ी ज़रूरत है ताकि वे लक्ष्य वाले केन्द्रों में जा कर बस सकें। सलाहकार ने इस बात की ओर संकेत दिया कि रूही–पुस्तक 10 (जीवंत समुदायों का निर्माण) के आ जाने के बाद सभी प्रतिनिधि और अनुयायी जो विभिन्न संस्थाओं के लिये काम कर रहे हैं उन्हें यह वचन यहाँ देना चाहिये कि वे पुस्तक की तीनों ईकाइयों का अध्ययन करेंगे।

प्रभुधर्म के पालने में रह रहे सभी बहाई मित्रों और खासकर पिछले नौ साल से कैद यारान के लिये विशेष प्रार्थनायें की गईं।

खुले सत्र में प्रतिनिधियों ने स्थानीय सभाओं के पंजीकरण से लेकर बहाई सम्पत्ति हासिल करने और बेचने, सोशल मीडिया के प्रभाव और बहाउल्लाह की शिक्षाओं के प्रसार के लिये तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल, 'बहाई समाचार' को और भी रोचक, उपयोगी तथा आकर्षक बनाना, घोषणा–पत्र के नये प्रारूप, युवा सम्मेलनों, उच्चतर संस्थाओं के सदस्यों द्वारा विभिन्न समुदायसमूहों का भ्रमण जैसे अनेक विषयों पर चर्चा की गई।

अधिवेशन सलाहकार सिओशानसियान और स्वयंसेवकों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुआ। प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय बहाई संग्रहालय का भ्रमण भी किया। सर्वोच्च संस्था द्वारा पवित्र समाधियों पर प्रार्थना की याचना हम करते हैं कि बहाउल्लाह के आशीष से दिये गये वचन पूरे किये जा सकें और हमारे विचार–विमर्श को उनकी सम्पुष्टि प्राप्त हो।

30 अप्रैल 2017

—भारत का राष्ट्रीय बहाई अधिवेशन

श्री रंगपट्टन में परिवार सम्मेलन

पृष्ठ 1 का शेष

दूसरे दिन नदी किनारे प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। खुले आकाश के नीचे आयोजित इस सत्र में बी. अफसिन ने बच्चों के आध्यात्मिक विकास तथा उन्हें शिक्षित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पवित्र ग्रंथों से अनेक उद्धरण प्रस्तुत करते हुये अनेक उदाहरण दिये। उनकी सदा की तरह रोचक वार्ता के बाद बच्चों की कक्षा संचालित करने वाले कुछ शिक्षकों ने अपने रोचक अनुभव सुनाये।

दूसरे दिन के दोपहर बाद के सत्र में सहायक मंडल सदस्या श्रीमती अमिता ने 'किशोर ऊर्जा को उजागर करना' पुस्तक पर आधारित किशोरों की क्षमता के विकास की चर्चा की और कहा कि समुदाय के प्रत्येक वयस्क बहाई का यह आध्यात्मिक दायित्व है कि किशोरों और युवाओं को उनकी शक्ति तथा क्षमता से परिचित कराया जाये तथा उन्हें प्रोत्साहित किया जाये। जो मित्र किशोर कक्षाओं के अनुप्रेरक हैं उन्होंने अपने अनुभव साझा किये।

सम्मेलन के तीसरे दिन कॉलिस अन्वरी ने सामूहिक प्रार्थना के महत्व पर बल दिया और बताया कि बंगलूरू के समुदायसमूह में पिछले साल 50 प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया।

दोपहर बाद के सत्र में श्री अफसिन ने द्वि–शताब्दी के लिये कुछ सुझाव दिये जो इस प्रकार हैं :

• इसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजाया–संवारा जा सकता है।
• राष्ट्रपति तथा अन्य गणमान्य लोगों के शुभकामना संदेश छपवा कर लोगों के बीच वितरित किये जा सकते हैं।
• अपने रिश्तेदारों और मित्रों को फोन पर उन्हें प्रभुधर्म का संदेश दिया जा सकता है।
• व्यक्तिगत सम्पर्क के ज़रिये प्रत्येक बहाई प्रभुधर्म का संदेश दे सकता है अथवा वाट्स ऐप के माध्यम से संदेश भेज सकता है। 'फेसबुक' तथा अन्य संचार माध्यमों का उपयोग भी किया जा सकता हैं।
• स्थानीय स्तर पर आयोजित किये जाने के कारण मित्रगण इस अवसर का लाभ उठाते हुये घर–घर जा कर संदेश दे सकते हैं।



श्रीरंगपट्टन में आयोजित परिवार सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

राजौरी में मनाया महात्मा बाब का उद्घोषणा दिवस



जम्मू–कश्मीर के राजौरी में महात्मा बाब का उद्घोषणा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 30 मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। प्रार्थनाओं से कार्यक्रम की शुरूआत हुई, उद्घोषणा दिवस के महत्व पर चर्चा की गईं। महात्मा बाब की समाधि के बारे में एक वीडियो भी दिखाया गया।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2015-16-17
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–20
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.06. 2017
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कमार)